सबगुरु डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म
फेसबुक पेज लिंक
https://www.facebook.com/sabgurunews/
वेबसाइट लिंक
https://www.sabguru.com/
यूट्यूब चैनल लिंक
https://www.youtube.com/channel/UCCcLf90UP-prqTinNwqUXZg/
English Article Link:
https://www.sabguru.com/en/the-role-of-dopamine-understanding-the-feel-good-hormone/

SABGURU NEWS

पो.रजि. नं. आरजे/एजे/211/2025-27

PRGI. No. RAJBIL/2023/88629

सबगुरु न्यूज

(राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक)

मो.9887907277 Email ID sabgurunews@gmail.com Website https://www.sabguru.com

सम्पादक - विजय सिंह

खबरों के लिए स्कैन करें

वर्ष 2 | अंक 22 | अजमेर, शनिवार 10 मई 2025 | मूल्य 5 रुपए | पृष्ठ-4

बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, तुर्किए के ड्रोनों से भारतीय ठिकानों पर हमले की कोशिश

सिंदूर ऑपरेशन

नई दिल्ली। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से भड़काऊ कार्रवाई बंद नहीं हो रहीं हैं और वह नीचता की हदें पार करते हुए सीमापार धार्मिक स्थलों को निशाना बना कर सांप्रदायिक विवाद भड़काना चाहता है जिसका भारतीय सशस्त्र बल करारा जवाब दे रहे हैं। भारत ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने जानबूझ कर सीमा के समीप के वायुक्षेत्र को नागरिक उड़ानों के लिए खोला हुआ है ताकि उसे ढाल के रूप मे इस्तेमाल किया जा सके। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने शुक्रवार शाम यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पहलगाम हमले के बाद सशस्त्र सेनाओं द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने गुरूवार शाम को एक बार फिर भड़काने वाली नापाक हरकत करते हुए भारतीय सीमाओं का उल्लंघन किया तथा तुर्किए के करीब 300 से 400 ड्रोन से भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने तथा 36 जगहों पर घुसपैठ कराने की असफल कोशिश की जिसका भारतीय सशस्त्र बलों ने करारा जवाब दिया और पाकिस्तान के चार वायु रक्षा ठिकानों पर जोरदार कार्रवाई की।

गुरुद्वारा को बनाया निशाना 3 सिखों की मौतः-पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा पर स्थित स्कूलों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने पर विदेश सचिव ने कहा कि सात मई की सुबह नियंत्रण रेखा पर पुंछ में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा एक गुरुद्वारा को निशाना बनाया गया जिसमें तीन सिखों की मौत हो गई। इसी दिन भारी गोलाबारी के दौरान पाकिस्तान की ओर से दागा गया एक गोला पुंछ में क्राइस्ट स्कूल के ठीक पीछे आकर गिरा। गोला स्कूल के दो छात्रों के घर पर लगा जिन्होंने दुर्भाग्यवश अपनी जान गंवा दी और उनके माता-पिता घायल हो गए। पाकिस्तान द्वारा की गई गोलाबारी के दौरान स्कूल के कई कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने स्कूल के भूमिगत हॉल में शरण ली। सौभाग्य से स्कूल बंद था अन्यथा और अधिक नुकसान हो सकता था। पाकिस्तान गुरुद्वारों चर्चों और मंदिरों सहित एक विशेष डिजाइन वाले पूजा स्थलों को निशाना बना रहा है और उन पर गोलाबारी कर रहा है। यह पाकिस्तान की एक और नीचता है।

विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा कल रात की गई ये भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाई भारतीय शहरों और नागरिक ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की गईं थी। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक पर्याप्त और जिम्मेदारी से इसका जवाब दिया।

कैसे हुई अमरीकी पत्रकार डेनियल पर्ल की मौतः-वर्ष 2002 में कराची में आतंकवादियों के हाथों जान गंवाने वाले अमरीकी पत्रकार डेनियल पर्ल की मौत को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश सचिव ने कहा कि बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी गुट का मुख्यालय है जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित किया गया है। इसका नेता मौलाना मसूद अजहर एक प्रतिबंधित व्यक्ति है। जैश-ए-मोहम्मद किसी न किसी तरह से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से डेनियल पर्ल की मौत के लिए जिम्मेदार था लेकिन असली संबंध अहमद उमर सईद शेख के माध्यम से है जो ब्रिटिश पाकिस्तानी जिहादी था जिसे भारत में रखा गया था लेकिन 2000 में रिहा कर दिया गया था और वह वह व्यक्ति था जिसने डेनियल पर्ल को लालच दिया और अंततः उसकी हत्या कर दी। इसलिए ये सभी स्पष्ट रूप से जुड़े हुए व्यक्ति जुड़े हुए संस्थान हैं और बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के उस ठिकाने पर हमला मुझे लगता है कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में यह एक उचित कार्रवाई हुई है।

पाकिस्तानी हमले का भारत ने यूं दिया जवाबः-विंग कमांडर सिंह ने कहा कि पाकिस्तानी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के चार हवाई रक्षा स्थलों पर सशस्त्र ड्रोन दागे। इनमें से एक ड्रोन एडी रडार को नष्ट करने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने भारी कैलिबर वाली तोपों और सशस्त्र ड्रोनों का उपयोग करके नियंत्रण रेखा के पार गोलाबारी भी की जिसमें भारतीय सेना के कुछ जवान हताहत हुए और उन्हें चोटें आईं। भारतीय जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा।मौजूदा हालात में पाकिस्तान की सीमा के निकट स्थित करतारपुर साहिब कॉरिडोर चालू है या नहीं इस सवाल पर विदेश सचिव ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए करतारपुर साहिब कॉरिडोर की सेवाएं अगले निर्देश तक निलंबित कर दी गई हैं।

पाक ने जानबूझकर बंद नहीं किया हवाई क्षेत्र

मिस्त्री ने कहा कि पाकिस्तान ने हमले के दौरान जानबूझ कर नागरिक हवाई क्षेत्र को बंद नहीं किया और नागरिक विमानों का ढाल के रूप में इस्तेमाल किया। साथ ही भारत ने ननकाना साहिब गुरूद्वारे पर हमले के पाकिस्तान के आरोप को भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि इस तरह के भ्रामक दुष्प्रचार से पाकिस्तान भारत में सांप्रदायिक विवाद पैदा करना चाहता है। विदेश सचिव ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा कल रात की गई ये भड़काऊ और आक्रामक कार्रवाइयां भारतीय शहरों और नागरिक बुनियादी ढांचे के अलावा सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की गईं। भारतीय सशस्त्र बलों ने आनुपातिक पर्याप्त और जिम्मेदारी से जवाब दिया। पाकिस्तान द्वारा किए गए इन हमलों का पाकिस्तानी सरकारी मशीनरी द्वारा आधिकारिक और स्पष्ट रूप से हास्यास्पद खंडन करनाए उनकी कपटपूर्णता और नीचता का एक और उदाहरण है जिसे वे गर्व से बता रहे हैं। मिस्त्री ने कहा कि अपनी हरकतों को स्वीकार करने के बजाय पाकिस्तान ने यह बेतुका और अपमानजनक दावा किया कि भारत के सशस्त्र बल अमृतसर जैसे अपने ही शहरों को निशाना बना रहे हैं और वह पाकिस्तान पर आरोप लगाने की कोशिश कर रहा है। वे इस तरह की हरकतों में पारंगत हैं जैसा कि उनका इतिहास दर्शाता है। पाकिस्तान ने गलत सूचना फैलाई कि भारत ने ड्रोन हमले के जरिए ननकाना साहिब गुरुद्वारे को निशाना बनाया जो एक और सरासर झूठ है। पाकिस्तान सांप्रदायिक विवाद पैदा करने के इरादे से स्थिति को सांप्रदायिक रंग देने की पूरी कोशिश कर रहा है।

300 से 400 ड्रोनों से हमले की कोशिश

बीते 24 घंटों के दौरान ऑपरेशन सिन्दूर का विवरण देते हुए कर्नल सोफ्या कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तानी सेना ने गुरूवार रात भारत के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के इरादे से पश्चिमी सीमा पर कई बार भारतीय हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर भारी कैलिबर के हथियारों से भी गोलीबारी की और 36 स्थानों पर घुसपैठ कराने की कोशिश करने की और लेह से लेकर सरक्रीक तक लगभग 300 से 400 ड्रोनों से हमले की कोशिश की जिसे भारतीय मिसाइल प्रतिरक्षा प्रणाली से नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने स्थिर और गतिशील हथियार प्रणाली का उपयोग करके कई ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने कहा कि हवाई घुसपैठ का संभावित उद्देश्य वायु रक्षा प्रणालियों का परीक्षण करना और खुफ्या जानकारी एकत्र करना था। अधिकारी ने कहा कि ड्रोन के मलबे की फोरेंसिक जांच की जा रही है। शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि वे तुर्किए के अस्सिगार्ड सोंगर ड्रोन हैं।

नागरिक विमानों का ढाल के रूप में इस्तेमाल

विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने दोगला रवैया अपनाते हुए भारत में असफल ड्रोन और मिसाइल हमला करने के बावजूद अपना नागरिक हवाई क्षेत्र बंद नहीं किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान नागरिक विमानों को ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है जबकि उसे अच्छी तरह पता है कि भारत उसके हमले का कड़ा जवाब देगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास उड़ान भरने वाले अंतरराष्ट्रीय विमानों सहित अनजान नागरिक विमानों की सुरक्षा को भी दाव पर लगा दिया। उन्होंने कहा कि घोषित बंद के कारण भारतीय पक्ष का हवाई क्षेत्र नागरिक हवाई यातायात के लिए पूरी तरह बंद था लेकिन कराची और लाहौर के बीच हवाई मार्ग पर नागरिक एयरलाइनों की उड़ान जारी रही। उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना ने जवाबी कार्रवाई में काफी संयम दिखाया जिससे अंतरराष्ट्रीय नागरिक विमानों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

एस जयशंकर ने की अमरीकी विदेश मंत्री से बात

विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर द्वारा अमरीका एवं अन्य देशों के मंत्रियों से बातचीत किए जाने के बारे में पूछे जाने पर मिस्त्री ने कहा कि हांए विदेश मंत्री ने अमरीकी विदेश मंत्री से बातचीत की है। चर्चा का केंद्र पहलगाम में आतंकी हमला और उसके बाद 7 मई को भारत द्वारा की गई प्रतिक्रिया थी। डॉ. जयशंकर ने इन घटनाक्रमों पर अमरीकी विदेश मंत्री के साथ अपने विचार साझा किए। विदेश मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफलड़ाई में भारत के साथ काम करने की अमरीका की प्रतिबद्धता की सराहना की और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के संबंध में भारत द्वारा उठाए गए लक्षित उपायों को भी रेखांकित किया। विदेश मंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि भारत पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की आक्रामकता को बढ़ाने के प्रयासों का दृढ़ता से मुकाबला करेगा। विदेश मंत्री ने आज ब्रिटेन के विदेश मंत्री से बातचीत कीए वहां भी चर्चा आतंकवाद का मुकाबला करने पर केंद्रित थी जिसके लिए शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए। अभी कुछ समय पहले ही विदेश मंत्री ने नॉर्वे के विदेश मंत्री से भी बात की है।

आरएसएस ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना, केन्द्र सरकार का अभिनंदन किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ आरएसएस ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों और उनके ढांचे को नेस्तनाबूद करने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेनाओं और केन्द्र सरकार का अभिनंदन किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक वक्तव्य में कहा कि पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन।

वक्तव्य में कहा गया कि हिंदू पर्यटकों के नृशंस हत्याकांड में आहत परिवारों को एवं समस्त देश को न्याय दिलाने के लिए हो रही इस कार्रवाई ने समूचे देश के स्वाभिमान एवं हिम्मत को बढ़ाया है। हमारा यह भी मानना है कि पाकिस्तान में आतंकियोंए उनका ढांचा एवं सहयोगी तंत्र पर की जा रही सैनिक कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए आवश्यक एवं अपरिहार्य कदम है। राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में संपूर्ण देश तन-मन-धन से देश की सरकार एवं सैन्य बलों के साथ खड़ा है।

वक्तव्य में कहा गया है कि पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत की सीमा पर धार्मिक स्थलों एवं नागरिक बस्ती क्षेत्र पर किए जा रहे हमलों की हम निंदा करते हैं और जो इन हमलों का शिकार हुए उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करते हैं।

वक्तव्य में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इस चुनौतीपूर्ण अवसर पर समस्त देशवासियों से आह्वान करता है कि शासन एवं प्रशासन द्वारा दी जा रही सभी सूचनाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करे। इसके साथ.साथ इस अवसर पर हम सबको अपने नागरिक कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यह भी सावधानी रखनी है कि राष्ट्र विरोधी शक्तियों के सामाजिक एकता एवं समरसता को भंग करने के किसी भी षड्यंत्र को सफल न होने दें। समस्त देशवासियों से अनुरोध है कि अपनी देशभक्ति का परिचय देते हुए सेना एवं नागरी प्रशासन के लिए जहां भी जैसी भी आवश्यकता हो हरसंभव सहयोग के लिए तत्पर रहे और राष्ट्रीय एकता तथा सुरक्षा को बनाए रखने के सभी प्रयासों को बल प्रदान करे।

सम्पादकीय

आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना ''ऑपरेशन सिंदूर''

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर ;पीओके में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी जिसका उद्देश्य स्पष्ट थाए आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को ष्सिंदूरष् नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। सिंदूर एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई।ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध थाए जो लगातार भारत में घुसपैठ आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है जो सीमा पार से भारत के खिलाफजंग छेड़े हुए हैं।भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक.प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी।बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैंए जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे फिर अलग.अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग.अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी।

पाकिस्तान के साथ बढते तनाव के बीच रामलला विराजमान की सुरक्षा बढ़ाई

अयोध्या। पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उत्तर प्रदेश के अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर ने शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के मद्देनजर श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करके सीआरपीएफ, एसएसएफ, पीसीएस, पीएससी, सिविल पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैनात की गयी है। उन्होंने बताया कि जरूरत पडने पर सुरक्षा को और बढ़ाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि बाहर से जो श्रद्धालु रामलला का दर्शन करने आ रहे हैं उनको अच्छे प्रकार से दर्शन कराया जा रहा है। उनको कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े इसके लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या एक धार्मिक विख्यात ऐतिहासिक नगरी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था सर्वोपरि है। वैसे भी पूरे अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था तो हमेशा बनी रहती है लेकिन श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला की सुरक्षा व्यवस्था काफी कड़ी रहती है।उन्होंने कहा कि अयोध्या में ज्यादा भीड़ होने पर जिस प्रकार यहां पुलिस प्रशासन व जिला प्रशासन द्वारा जो व्यवस्था लागू की गई थी वह आज भी लागू है। उसमें अगर कोई जरूरत पड़ेगी तो बदलाव किया जायेगा। एसएसपी ने कहा कि शासन की मुख्य प्राथमिकता है किए जनसुनवाई बेहतर ढंग से हो। इसके लिए आवेदक प्रार्थना पत्र का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा जिससे आवेदक की समस्या का गुणवत्तापूर्वक निस्तारण कराया जा सके।

सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव में 1000 वर्ष पुराने दुर्लभ सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन

23 देशों के लोगों की होगी सहभागिता, आध्यात्मिक पर्यटन का नया अध्याय

पणजी गोवा। आगामी 17 से 19 मई के दौरान फर्मागुडी फेंडा स्थित गोवा इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान में सनातन संस्था की ओर से आयोजित सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नही बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक जागरूकता का महोत्सव बनने जा रहा है।

23 देशों के प्रतिष्ठित प्रतिनिधि विभिन्न संप्रदायों के संत-महंत मंदिरों के ट्रस्टी और 25000 से अधिक साधक और भक्तों की उपस्थिति एवं यज्ञ.याग के आयोजन के कारण यह महोत्सव काशी उज्जैन और अयोध्या की तर्ज पर आध्यात्मिक पर्यटन का नया अध्याय बनेगाए जिससे विकास को भी गति मिलेगी ऐसी जानकारी सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता चेतन राजहंस ने पणजी में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।इस दौरान आर्ट ऑफ लिविंग के संतोष घोडगे सांस्कृतिक न्यास के जयंत मिरिंगकर अंतरराष्ट्रीय बजरंग दल के नितीन फळदेसाई कुंडई तपोभूमि स्थित पद्मनाभ संप्रदाय के सुजन नाईक ब्राह्मण महासंघ के राज शर्मा जगद्गुरु स्वामी नरेंद्राचार्य महाराज के अनुयायी अनिल नाईक गोमंतक मंदिर महासंघ के जयेश थळी तथा हिंदू जनजागृति समिति के युवराज गावकर उपस्थित थे। सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव में 1000 वर्ष पुराने चोरी से सुरक्षित किए गए सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का दुर्लभ दर्शन सभी को प्राप्त होगा। यह शिवलिंग मूर्ति भंजक ग़ज़नी द्वारा खंडित किया गया था और बाद में अग्निहोत्र संप्रदाय के साधकों ने इसे सुरक्षित रखा। अब आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर के आशीर्वाद से यह शिवलिंग 17 से 19 मई के दौरान महोत्सव स्थल पर जनता के दर्शनार्थ रखा जाएगा। साथ हीए छत्रपति शिवाजी महाराज के काल के शस्त्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

आध्यात्मिक पर्यटन से आर्थिक विकास

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और अयोध्या के श्रीराम मंदिर के कारण उत्तर प्रदेश को प्रति वर्ष लगभग 22000 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो रहा है। कभी पर्यटन क्षेत्र में 7वें स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश अब शीर्ष पर पहुंच गया है। यह स्पष्ट दर्शाता है कि केवल आध्यात्मिक पर्यटन से भी राज्य की अर्थव्यवस्था को बड़ा प्रोत्साहन मिल सकता है। कभी दक्षिण काशी के रूप में पहचाने जाने वाले गोवा को भी इससे निश्चित रूप से लाभ मिल सकता है। जो लोग मंदिरों या धार्मिक गतिविधियों को अंधविश्वास समझते हैं उन्हें यह समझना चाहिए कि मंदिर देश की अर्थव्यवस्था की आत्मा और रीढ हैं। जब वैश्विक औद्योगिक शहर ढह रहे हैंए तब उज्जैन, तिरुपति, रामेश्वरम, काशी जैसे तीर्थस्थान हजारों वर्षों से टिके हैं और उनके आसपास का क्षेत्र भी विकसित हुआ है।

शंखनाद महोत्सव से पर्यटन में वृद्धि

इस तीन दिवसीय महोत्सव के लिए देश.विदेश से 25000 से अधिक भक्त साधक और प्रतिष्ठित व्यक्त गोवा पहुंचेंगे। ये सभी 3 से 5 दिन तक ठहरेंगे यात्रा करेंगे स्थानीय वाहनों, होटलों, मंदिरों, बाजारों, रेस्टोरेंट्स और पर्यटन स्थलों का लाभ लेंगे। इससे स्थानीय व्यवसायों और रोजगार को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया से जो ळैज् और सेवा कर उत्पन्न होगा उससे राज्य सरकार को भी अच्छा राजस्व प्राप्त होगा।

आध्यात्मिक भविष्य का शंखनाद

अन्य व्यवसायों की तुलना में आध्यात्मिक पर्यटन एक सुरक्षित और स्थायी विकास मॉडल है जो समाज में नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना भी करता है। इस महोत्सव के माध्यम से मंदिर परंपरा, लोक कला सांस्कृतिक पहचान, साथ ही साधना आध्यात्मिक विचारधारा और राष्ट्रनिष्ठ मूल्यों का जागरण किया जाएगा। संक्षेप में शंखनाद महोत्सव उज्ज्वल आध्यात्मिक भविष्य का शंखनाद है। इस महोत्सव से जुड़ी अधिक जानकारीSanatanRashtraShankhnad.in वेबसाइट पर ली जा सकती है।

जयपुर में एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सवाई मान सिंह स्टेडियम को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद को मेल करके दी गई है।

इसका पता चलने पर खेल परिषद के अध्यक्ष नीरज के पवन ने इसके बारे में बताया कि सुबह नौ बजकर तेरह मिनट पर ईमेल आया और कर्मचारियों ने ईमेल को खोलकर देखने पर पता चला कि उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई हैं।ईमेल पाकिस्तान जेके वेब नाम की मेल आईडी से भेजा गया है जिसमें लिखा है ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए स्टेडियम में बम विस्फोट करेंगे। अगर हो सके तो सबको बचा लो।इसके बाद प्रशासन एवं पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए स्टेडियम को खाली कराया और बम स्क्वाड डॉग स्क्वाड और एटीएस की टीमें मौके पर पहुंचकर पूरे स्टेडियम की तलाशी ली गई जहां बम जैसी कोई चीज नहीं मिली।

पाकिस्तान से तनाव के बीच आईपीएल एक सप्ताह के लिए स्थगित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुये इंडियन प्रीमियर लीग ;आईपीएल 2025 के शेष मैचों को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार अपराह्न जारी एक बयान में कहा कि आईपीएल 2025 को तत्काल प्रभाव से एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारियों और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ परामर्श के बाद आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया गया। बैठक में आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल भी शामिल थे।

सैकिया ने कहा कि संबंधित अधिकारियों और हितधारकों के परामर्श से स्थिति का व्यापक आकलन करने के बाद टूर्नामेंट के नए कार्यक्रम और स्थलों के बारे में आगे की जानकारी उचित समय पर दी जाएगी।

लखनऊ से प्राप्त जानकारी के अनुसार वहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच होने वाले मैच की टिकटों के पैसे लौटाए जा रहे हैं और स्टेडियम के सभी गेट बंद कर दिए गए। सभी 10 फ्रेंचाइजी और प्रमुख हितधारकों को इस फैसले के बारे में सूचित कर दिया गया है।

माना जा रहा है कि खिलाड़ियों की सुरक्षा के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। इससे पहले गुरुवार को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच चल रहे मैच को रद्द कर दिया गया था। मैच के बाद आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा था कि बोर्ड स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुये है और कोई भी आखिरी फैसला केंद्र सरकार के परामर्श से ही लिया जाएगा।आईपीएल 2025 में अभी तक 58 मैच हो चुके हैं जिसमें धर्मशाला में मैच रद्द होना भी शामिल है। ग्रुप चरण में

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने जारी किया रीट परीक्षा 2024 का परिणाम

6 लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए सफल

अजमेर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा आयोजित रीट राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा 2024 का परिणाम गुरुवार 8 मई को घोषित किया गया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े। उन्होंने सफल परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं। ाोर्ड के प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि यह परीक्षा 27 और 28 फरवरी 2025 को तीन पारियों में आयोजित की गई थी। परीक्षा दो स्तरों लेवल-1 प्राथमिक स्तर और लेवल-2 उच्च प्राथमिक स्तर में संपन्न हुई थी। इसके साथ ही कुछ अभ्यर्थी दोनों स्तरों के लिए भी पंजीकृत थे।उन्होंने कहा कि लेवल-1 परीक्षा के लिए कुल 3 लाख 46 हजार 626 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण करवाया था। इसमें से 3 लाख 14 हजार 195 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। इनमें से एक लाख 95 हजार 847 परीक्षार्थी सफल हुए है। इसमें उत्तीर्ण प्रतिशत 62.33प्रतिशत रहा। इस प्रकार लेवल-2 परीक्षा में 9 लाख 68 हजार 502 अभ्यर्थी पंजीकृत थे।इनमें से 8 लाख 79 हजार 671 ने परीक्षा में भाग लिया और 3 लाख 93 हजार 124 परीक्षार्थी सफल हुए। इस स्तर पर उत्तीर्ण प्रतिशत 44.69 प्रतिशत रहा। वहीं दोनों स्तरों के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या एक लाख 14 हजार 696 थी। इसमें से 92 हजार 767 ने परीक्षा दी। इनमें से 47 हजार 97 अभ्यर्थी सफल हुए। इसमें उत्तीर्ण प्रतिशत 50.77 रहा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सफल परीक्षार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह परीक्षा युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है। इससे वे शिक्षक बनने के अपने सपने को साकार कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने असफल अभ्यर्थियों को निराश नहीं होने की सलाह दी और सफलता प्राप्ति तक निरंतर प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। बोर्ड प्रशासक महेश चंद्र शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार ने रीट परीक्षा आयोजित करने की जिम्मेदारी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को सौंपी थी। इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बोर्ड ने परीक्षा का आयोजन तीन पारियों में सफलतापूर्वक किया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पूरी टीम को बधाई दी।बोर्ड सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षार्थियों को उनके परिणाम के प्रमाण पत्र लगभग एक माह के भीतर उपलब्ध करा दिए जाएंगे। प्रमाण पत्र परीक्षार्थी के परीक्षा केंद्र वाले जिले के चयनित नोडल विद्यालय से प्राप्त किए जा सकेंगे। प्रत्येक जिले में एक विद्यालय को नोडल स्कूल के रूप में चिन्हित किया जाएगा। इससे परीक्षार्थी अपना प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकेंगे।

बाड़मेर में सेना मूवमेंट का वीडियो वायरल करने पर एक व्यक्ति अरेस्ट

बाड़मेर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राजस्थान पुलिस लगातार सोशल मीडिया पर नजर बनाए हुए हैं और बाड़मेर में सोशल मीडिया पर सेना की मूवमेंट के वीडियो वायरल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह मीना ने शुक्रवार को बताया कि बाड़मेर डीएसटी एवं डीसीआरबी द्वारा त्वरित कार्रवाई कर आरोपी बालोतरा जिले के गिड़ा थाना क्षेत्र के पुनियो का तला हाल बाड़मेर निवासी जीया राम मेघवाल ;22 को इस मामले में गिरफ्तार किया।मीना ने बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उत्पन्न संवेदनशीलता की पृष्ठभूमि में भारत सरकार ने सेना की गतिविधियों से संबंधित किसी भी प्रकार के फोटो या वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने पर सख्त रोक लगाई है। इस आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित करने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी सोशल मीडिया सैल जसाराम बोस के सुपरविजन मे विशेष साइबर पेट्रोलिंग एवं सघन निगरानी अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आरोपी जीयाराम मेघवाल द्वारा भारतीय सेना के मूवमेंट से संबंधित वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। जिसे गंभीरता से लेते हुए डीएसटी व डीसीआरबी बाडमेर की पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए उसे दस्तयाब कर धारा 170 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में गिरफ्तार कर लिया गया है।उन्होंने बताया कि बाडमेर पुलिस द्वारा सोशल मीडिया पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है। भारतीय सेना की मूवमेंट से संबंधित किसी भी प्रकार की फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी करना तथा उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करना विधि विरुद्ध है। ऐसे करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बूंदी में ट्रैक्टर ट्रॉली पलटने से पांच लोगों की मौत

बूंदी। राजस्थान के बूंदी जिले के रायथल थाना क्षेत्र में गुरुवार को बारात की ट्रैक्टर ट्रॉली पलट जाने से एक बच्ची सहित 5 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 20 लोग घायल हो गए।पुलिस के अनुसार क्षेत्र में चौतरा का खेड़ा गांव से एक बारात माटुंदा गांव जा रही थी कि रास्ते में एक स्थान पर मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में उनकी ट्रैक्टर.ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक बच्ची और चार महिलाओं की मृत्यु हो गई। हादसे के घायलों को बूंदी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को कोटा भेजा गया है। मृतकों में करीब आठ साल की किरण के अलावा महिलाओं में कोमल, ज्योति शांति और कृष्णा शामिल बताई जा रही है। हादसे के बाद बूंदी कलेक्टर अक्षय गोदारा अस्पताल पहुंचे और घायलों से मिले और चिकित्सकों को बेहतर इलाज का निर्देश दिया।

बीकानेर में गैस सिलेंडर फटने से 9 लोगों की मौत, 7 घायल

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर के कोतवाली थाना क्षेत्र में गैस सिलेंडर फटने से 9 लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य घायल हो गए।पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बुधवार सुबह सिटी कोतवाली थाने के पास मदान मार्केट के एक भवन में अचानक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। जिससे भवन की छत ढह गईं एवं दुकानों में कार्यरत कर्मचारी मलबे में दब गए। विस्फोट से आग भी लग गई।हादसे में दस घायलों को मलबे से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया जिनमें दो को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मलबे से शाम को एक और शव निकाला गया। पुलिस ने बताया कि कल सचिन सोनीए मोहम्मद असलम और सलमान बंगाली की मौत हुई।वहीं गुरुवार को अस्पताल में एक और घायल ने दम तोड़ दिया जबकि मलबे से पांच शव और निकाले गए। पुलिस ने बताया कि इनकी शिनाख्त किशन पुत्र पूनम, किशन पुत्र भंवर, रामस्वरूप, असलम, लालचंद और

अयान के रूप में हुई है। विस्फोट से भवन में 21 दुकानें नष्ट हो गई।आग लग जाने से दुकानों में कपड़े इलेक्ट्रॉनिक्स और प्लास्टिक की सामग्री जलकर राख हो गई। मौके पर दमकल की कई गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया गयाए लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

चित्तौड़गढ़ जिले में महत्वपूर्ण स्थान नो ड्रोन जोन घोषित

चित्तौड़गढ़। भारत. पाकिस्तान के बीच तनाव को देखते हुए राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में दुर्ग एवं सैनिक स्कूल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों को नो ड्रोन जोन घोषित किया गया है। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आलोक रंजन ने शुक्रवार को जारी आदेश में बताया कि वर्तमान परिदृश्य को मद्देनजर रखते हुए जिले में स्थित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों संस्थानों परमाणु ऊर्जा संयंत्र रावतभाटा ;एनपीसीआईएल न्यूक्लियर फ्यूल कॉम्पलैक्स रावतभाटा ;एनएफसी भारी जल संयंत्र रावतभाटा ;एचडब्ल्यूपी राणा प्रताप सागर बांध रावतभाटा हाईड्रोलिक पॉवर प्रोजेक्ट रावतभाटा इंडियन ऑयल मार्केटिंग टर्मिनल ;स्टोरेज एवं सप्लाई जालमुपरा श्रीसांवलिया जी मंदिर मण्डफिया दुर्ग चित्तौड़गढ़ एवं सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ को नो ड्रोन जोन घोषित किया गया है।उन्होंने बताया कि इसके तहत चित्तौड़गढ़ जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में ड्रोन संचालन के लिये निषेधात्मक आदेश जारी किए हैं। इन स्थानों के अलावा संपूर्ण जिले की राजस्व सीमा क्षेत्र में संबंधित उपखण्ड मजिस्ट्रेट बिना सक्षम स्वीकृति के ड्रोन संचालन नहीं किया जाएगा। यह आदेश सरकारी गतिविधियों सेनाए पुलिसए सशस्त्र बल होमगार्ड एवं कानून व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों रेलवे के लिए लागू नहीं होगा।इसके अलावा धार्मिकए सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों में फोटोग्राफी के लिए 10 मीटर की उंचाई तक ड्रोन में संचालन पर यह आदेश लागू नहीं होगा।

उदयपुर में पटवारी प्रियंका नलवाया 8000 रुपए रिश्वत लेते अरेस्ट

उदयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ;एसीबी ने उदयपुर में पटवार हल्का लोयरा की पटवारी प्रियंका नलवाया को गुरुवार को एक मामले में आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।ब्यूरो के महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी इन्टेलीजेन्स युनिट उदयपुर को परिवादी ने शिकायत की कि लोयरा में हाथीधर मेरी पत्नी एवं मेरे दोस्त की पत्नी के नाम अलग अलग कृषि भूखण्ड क्रय किए थे। जिसकी रजिस्ट्री हुई इस कृषि भूखण्ड का नामातन्तरण खुलवाने के लिए मैंए मेरी पत्नी एवं मेरे दोस्त की पत्नी के साथ अलग अलग रजिस्ट्री की फोटो प्रति लेकर पटवार हल्का लोयरा में पटवारी प्रियंका से 15.20 दिन पूर्व मिले थे।दोनों भूखण्ड की फोटो प्रतियां उनको दी तथा नामान्तरण के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि दोनों भूखण्डों का नामातन्तरण तभी खुलेगा जब आप खर्च पानी के आठ हजार रूपए दोगे। फिर कहा कि पैसे अभी सामने वाले ई मित्र को ऑन लाईन ट्रांसफर कर दो वहां से मुझे नकद लाकर दे दो तो तुम्हारा काम हो जाएगा।पटवारी ने परिवादी की पत्नी एवं उसके मित्र की पत्नी के नाम की दोनों मूल रजिस्ट्री अपने पास रख ली और कहा कि आठ हजार रूपए दोगे तभी तुम्हारी ये मूल रजिस्ट्रियां ले जाना।मेहरड़ा ने बताया कि इस पर एसीबी की टीम ने आरोपी प्रियंका नलवाया को परिवादी से आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। एसीबी की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है।

महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय पूर्ववत जारी रहेंगे

जयपुर। राजस्थान में सत्र 2025-26 में राज्य में संचालित सभी महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पूर्ववत जारी रहेंगे एवं निदेशालयए माध्यमिक शिक्षा द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया संपन्न की जाएगी।यह निर्णय शुक्रवार को मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में लिया गया।बैठक में उन विद्यालयों का विस्तृत विश्लेषण करने के निर्देश दिए गए जिनमें अंग्रेजी माध्यम में रूपांतरण के बाद छात्रों का नामांकन कम हुआ है। विशेष रूप से छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्था किए जाने के निर्देश प्रदान किए गए।बैठक में राजकीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से आगामी सत्र में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को वृहद स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए गए जिससे इस कार्यक्रम के माध्यम से अधिक से अधिक नये छात्रों का नामांकन हो और शिक्षा से वंचित सभी बच्चों को विद्यालय में प्रवेश की सुविधा मिले।

EICI Releases White Paper to Guide Seamless Integration of ECCS into India's New Customs Integrated System

Urges preservation of ECCS strengths to support India's trade, MSME growth, and $30 trillion vision Aims to streamline clearances, reduce redundancies, and boost India's global logistics competitivenessThe Express Industry Council of India (EICI), the apex industry association representing leading international and domestic express companies in India, has released an insightful White Paper in association with the Bureau of Research on Industry and Economic Fundamentals (BRIEF), a research-based policy think tank. The White Paper, titled The Future of Express Cargo Clearance in India – ECCS in the New Customs Integrated System, underscores the need to ensure the smooth integration of processes and preserve the strengths of the existing Express Cargo Clearance System (ECCS) as it is proposed to be integrated into the forthcoming Customs Integrated System (CIS).Shri Yogendra Garg, Member (IT, Taxpayer Services & Technology), CBIC launches the white paper titled "THE FUTURE OF EXPRESS CARGO CLEARANCE IN INDIA – ECCS in the New Customs Integrated

SystemThe White Paper aims to apprise the regulatory authorities, especially the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC), about the critical features of the currently operational ECCS and the express industry's expectations from the new CIS. It was formally submitted to the CBIC at a consultation held in New Delhi, which was also attended by Shri Yogendra Garg, Member (IT & Taxpayer Services), CBIC, officials from DG Systems, and senior representatives from the express and logistics industry.Based on the on-ground realities of the express industry, the paper recommends measures to streamline operations, reduce redundancies, and strengthen India's trade facilitation architecture. The express cargo industry is recognized as a vital part of the logistics ecosystem, powering e-commerce and supporting India's ease-of-doing-business and global trade integration goals.

मौजूदा हालात में अफवाहों से बचें, अधिकृत सूचनाओं पर ही करे विश्वास - भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर उत्पन्न वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर शुक्रवार को यहां राज्य मंत्रिपरिषद् की बैठक लेकर प्रशासनिक और आपदा राहत तैयारियों की समीक्षा की और प्रभारी मंत्रियों जनप्रतिनिधियों एवं प्रभारी सचिवों को अपने क्षेत्रों में निरन्तर सम्पर्क बनाए रखने और आवश्यकता के अनुरूप जरूरी संसाधनों की उपलब्धता एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय आयोजित बैठक में कहा कि राजस्थान की लम्बी अन्तरराष्ट्रीय सीमा के मद्देनजर प्रदेशवासियों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इसे देखते हुए आमजन सोशल मीडिया पर चलने वाले भ्रामक और अफ्वाह फैलाने वाली खबरों का प्रसार करने से बचें और

सरकार द्वारा जारी अधिकृत सूचनाओं पर ही विश्वास करें।बैठक के बाद उपमुख्यमंत्री डा प्रेमचंद बैरवा और संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेस वार्ता में बताया कि मंत्रिपरिषद् की बैठक में आपात स्थिति के समय उठाए जाने वाले सभी आवश्यक कदमों और उनकी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में शर्मा ने केन्द्र और राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए जरूरी दिशा.निर्देशों की स्थानीय प्रशासन द्वारा आवश्यक पालना करवाए जाने के संबंध में निर्देश दिए। डॉ बैरवा ने बताया कि सरकार ने सीमावर्ती जिलों में रिक्त पदों को तुरंत भरने का काम शुरू कर दिया है। बिजली, पेयजल, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागों के साथ उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों के इन जिलों में रिक्त पदों को भरे जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर एवं श्रीगंगानगर जिलों में पांच-पांच करोड़ तथा जोधपुर, हनुमानगढ़ एवं फ्लौदी जिलों में 2.5-2.5 करोड़ रुपए मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमों में शिथिलता प्रदान कर स्वीकृत किए गए हैं। इस राशि का उपयोग आवश्यकतानुसार राहत एवं सहायता कार्यों में किया जा सकेगा। साथ ही आपदा प्रबंधन मद से सभी जिलों में आवश्यक उपकरण इत्यादि उपलब्ध करवाने के लिए 19 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। आरएसी एसडीआरएफ बॉर्डर होमगार्ड आदि की अतिरिक्त नफरी सीमावर्ती क्षेत्रों में भेजी जा रही है। पुलिस एवं प्रशासन को 24 घंटे मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। इन जिलों में अतिरिक्त दमकल और एंबुलेंस की सेवाएं भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा रहा है।

पटेल ने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न दवाईयों सहित अन्य जरूरी वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीमावर्ती जिलों में अधिक भीड़.भाड़ वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों का आयोजन नहीं करने का निर्णय भी किया गया। रात में आवश्यकतानुसार लाइट और सड़क तथा रेलमार्ग पर मूवमेंट को रोकने तथा आवश्यकतानुसार ब्लैकआउट को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।रक्तदान शिविर लगाने वाली संस्थाओं और रक्तदान करने वाले नियमित डोनरों को भी सक्रिय किया गया है। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की गई है कि वे प्रशासनिक निर्देशों और केन्द्र एवं राज्य सरकार की एडवाइजरी की पालना के लिए आमजन को प्रेरित करें तथा छोटी से छोटी घटनाओं पर नजर रखते हुए अफ्वाहों को फैलने से रोकें।

मोदी ने राजनाथ और शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक की

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही सैन्य कार्रवाई के कारण निरन्तर बढ़ते तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार रात रक्षा मंत्री राजनाथ

सिंह और शीर्ष सैन्य नेतृत्व के साथ बैठक में स्थिति की समीक्षा की।प्रधानमंत्री कार्यालय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बैठक के बारे में जानकारी दी। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।रक्षा मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रधानमंत्री को पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का उल्लंघन कर की जा रही कार्रवाई तथा उसके जवाब में भारतीय सेनाओं की कार्रवाई की जानकारी दी।उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तानी सेना संघर्ष विराम का उल्लंघन कर भारतीय सीमाओं में लगातार हमले करने की कोशिश कर रही है। आज भी भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने सांबा और जैसलमेर आदि क्षेत्रों में पाकिस्तान की ओर से भेजे गए ड्रोन को नष्ट कर हमले की कोशिशें को नाकाम कर दिया।

जैसलमेर जिले में शाम 6 से सुबह 6 बजे तक रहेगा 'ब्लैकआउट'

जैसलमेर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए आपरेशन सिंदूर चलाने और उसके बाद पाकिस्तान के भारत पर हमले की कोशिश करने से सीमा पर उत्पन्न तनाव के कारण जैसलमेर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई हैं और प्रशासन ने सतर्क रहने और नियमों का पालन करने की हिदायत दी हैं वहीं किशनघाट गांव में एक बम भी मिला हैं।जिला प्रशासन ने मौजूदा हालात के चलते दिशा निर्देश जारी किए हैं जिसमें जिले के सभी बाजार शाम पांच बजे बंद कर देने और इसके बाद कोई भी बाजार खुला नहीं रहेगा। शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक पूरे जिले में ब्लैकआउट रहेगा। इस दौरान सभी प्रकार की लाइटें बंद रखने की हिदायत दी गई हैं। ब्लैकआउट के दौरान दोपहियाए तीन पहिया एवं चार पहिया वाहन सहित समस्त प्रकार के वाहनों से होने वाला आवागमन पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।इसी तरह सेना क्षेत्र के पांच किलोमीटर तक के दायरे में आवागमन पूरी तरह से वर्जित रहेगा। रामगढ़.तनोट रोड़ पर जाने वाले अपराह्न तीन बजे तक अपनी यात्रा पूर्ण कर ले और इसके बाद इस मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से वर्जित रहेगा।जिले में गत आठ मई से आगामी सात जुलाई तक संपूर्ण जिले में ड्रोन संचालन पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। वह सभी लोग जिनके पास ड्रोन हैं तत्काल रूप से शुक्रवार शाम पांच बजे से पहले अपने ड्रोन अनिवार्य रूप से निकटतम पुलिस थाना में जमा करा देने चाहिए। जिले में पटाखों की दुकानें पूर्णतया बंद रहेगी। इस दौरान पटाखे छोड़नेए बेचान करने एवं खरीद पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।प्रशासन ने नागरिकों से नियमों का पालन करनेए शांतिए सहयोग और सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस के अनुसार जैसलमेर जिले के किशनघाट गांव में शुक्रवार सुबह एक बम होने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची जहां एक बम पड़ा मिला और उस जगह पर लोगों को दूरी बनाने के लिए कहा गया। बाद में बम को निष्क्रिय करने के लिए सेना का दल पहुंचा।

रात को गूंजी सायरनों एवं धमाकों की आवाज

जैसलमेर में गुरुवार रात सायरनों एवं धमाकों की आवाज से लोग घरों में कैद हो गए। ब्लैक आउट के कारण शहर में अंधेरा हो गया।राजस्थान के जैसलमेरए बाड़मेर और श्रीगंगानगर जिलों में रात नौ बजे से सुबह चार बजे तक ब्लैक आउट किया गया।

चिकित्सा विभाग ने सीमावर्ती क्षेत्रों के अस्पतालों में 336 सीनियर रेजिडेंट लगाए

जयपुर। राजस्थान में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने आपदा प्रबंधन की दृष्टि से सीमावर्ती क्षेत्रों तथा अन्य महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं को और सुदृढ़ किया गया है।मौजूदा हालात के मद्देनजर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों के बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने विभागीय बैठकें लेकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।इसके बाद सीमावर्ती जिलों के चिकित्सा संस्थानों के लिए व्यापक आपदा प्रबंधन कार्य योजना लागू की गई है। इसके तहत आवश्यकतानुसार वरिष्ठ रेजिडेंट्स की तैनातीए उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता दवा आपूर्ति तथा अन्य व्यवस्थाओं को पुख्ता किया गया है।कुमार ने बताया कि जोधपुरए बीकानेरए बाड़मेरए गंगानगर और हनुमानगढ़ के सीमावर्ती अस्पतालों में 336 वरिष्ठ रेजिडेंट्स ;एसआर की तैनाती के आदेश जारी किए गए हैं। संबंधित मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ तैनाती मैट्रिक्स को साझा किया गया हैए जिसमें उन्हें प्रशासनिक नियंत्रण केंद्रों के

साथ समन्वय करने के निर्देश दिए गए हैं।

तैनाती के दौरान संकाय और एसआर को उपस्थित रहना अनिवार्य किया गया है। लॉजिस्टिक्स की व्यवस्था कॉलेज प्रशासन द्वारा की जाएगी।सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात चिकित्सा कर्मचारियों के लिए छात्रावास के कमरे और भोजन सुविधा की व्यवस्था की गई है तथा आवश्यकता पड़ने पर कमरों को साझा करने की अनुमति दी गई है।कॉलेज मेस के संचालन के संबंध में भी आवश्यक दिशा.निर्देश दिए गए हैं ताकि उनमें स्वच्छता और सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित हो। चिकित्सा शिक्षा सचिव ने बताया कि तात्कालिक जरूरतों के लिए आपातकालीन धनराशि उपलब्ध है। नोडल अधिकारी को दैनिक अनुपालना स्थिति की रिपोर्ट दी जाएगी।सीमावर्ती क्षेत्रों के अस्पतालों में आईसीयू सहित अन्य स्थानों पर उपकरणों की उपलब्धता व क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सा संस्थानों में उपकरण स्टॉक रजिस्टर सत्यापित किए जाने और स्पेयर पार्ट्सए उपभोग्य सामग्रियां आपातकालीन ऑक्सीजन और वेंटिलेटर का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की समुचित उपलब्धता रखने जाने को भी कहा गया है। तैयारियों की स्थिति की नियमित समीक्षा की जाएगी और इसकी रिपोर्ट मुख्यालय पर भेजी जाएगी।आपदा प्रबंधन की दृष्टि से चिकित्सा कार्मिकों के अवकाश निरस्त किए गए हैं। संवेदनशील जिलों ;जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, गंगानगर और फ्लौदी में सभी स्वास्थ्य अधिकारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए गए हैं। किसी भी परिस्थिति में कोई अपवाद नहीं होगा और चिकित्सकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। उपस्थिति और ड्यूटी स्थिति की दैनिक रिपोर्टिंग के लिए प्रारूप साझा किया गया है।

नागरिक उड़ानों के लिए कम से कम 24 एयरपोर्ट 15 मई तक बंद

नई दिल्ली। सरकार ने देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 24 हवाई अड्डे 15 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद करने का निर्णय लिया है।सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को देखते हुए श्रीनगर और चंडीगढ़ सहित देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 24 हवाई अड्डे 10 मई तक नागरिक उड़ानों के लिए बंद किए गए थे। विभिन्न एयरलाइंस ने शुक्रवार को कहा कि 15 मई तक हवाई अड्डों के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण उनकी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सूत्रों ने कहा कि 15 मई के 5. 29 बजे तक नागरिकों की उड़ानों के लिए कम से कम 24 हवाई अड्डों को बंद कर दिया गया है हवाई अड्डों में चंडीगढ़,श्रीनगर, अमृतसर, लुधियाना, भुंतर, किशनगढ़, पटियाला, शिमला, धर्मशाला और बठिंडा शामिल हैं। जैसलमेर, जोधपुरए लेह, बीकानेर, पठानकोट, जम्मू, जामनगर और भुज भी उन अन्य हवाई अड्डों में शामिल हैं जिन्हें नागरिक उड़ानों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष और भी तेज हो गया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत सशस्त्र बलों ने पिछले महीने पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए थेए जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए थे।

एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत में कई हवाई अड्डों को निरंतर बंद करने पर विमानन अधिकारियों की अधिसूचना के बाद एयर इंडिया की निम्नलिखित स्टेशनों जम्म, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, चंडीगढ़, भुज, जामनगर और राजकोट से आने.जाने वाली उड़ानें 15 मई को भारतीय समयानुसार 0529 बजे तक रद्द की जा रही हैं।एयर इंडिया ने यह भी कहा कि इस अवधि के दौरान यात्रा के लिए वैध टिकट रखने वाले ग्राहकों को पुनर्निर्धारण शुल्क पर एक बार की छूट या रद्द करने के लिए पूर्ण धनवापसी की पेशकश की जाएगी।एक्स पर एक पोस्ट में इंडिगो ने कहा कि संबंधित अधिकारियों के नवीनतम निर्देशों के अनुसार अस्थायी हवाई अड्डे के बंद होने के कारण 15 मई को 0529 घंटे तक 10 गंतव्यों से आने.जाने वाली सभी उड़ानें रद्द रहेंगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक विजय सिंह ने मुद्रक किशन गुप्ता द्वारा इंडिया ऑफसेट प्रिंटर्स 419 ब्रह्मपुरी, जयपुर रोड से मुद्रित करवाकर कार्यालय 6/12 बी ब्लॉक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी पंचशील, अजमेर (राज.) से प्रकाशित किया। सम्पादक- विजय सिंह मो. 9887907277 (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अजमेर रहेगा)